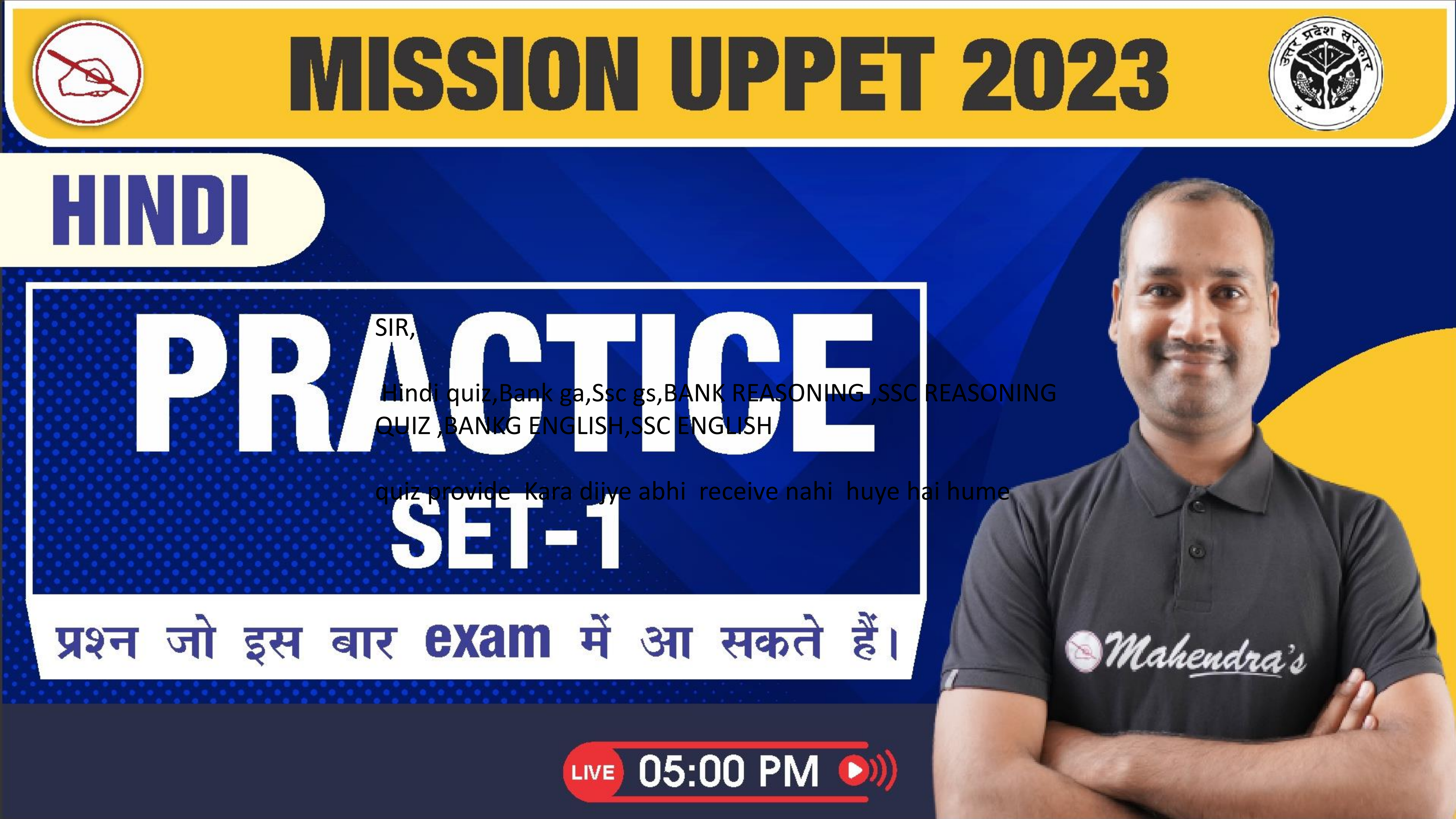

SIR,

Hindi quiz,Bank ga,Ssc gs,BANK REASONING ,SSC REASONING QUIZ ,BANKG ENGLISH,SSC ENGLISH

quiz provide Kara dijye abhi receive nahi huye hai hume

Q1.
सही वर्तनी शब्द का चयन कीजिए।

(1) अन्त्याक्षरी → पूजनीय
(2) पूज्यनीय → कवयित्री
(3) कवियित्री → तदुपरान्त
(4) तदोपरान्त

0:25

Q2.
निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य की पहचान करें?

(1) उसने वहाँ पहुँचकर शोर मचाया।
(2) उसका घर मेरे को मालूम नहीं।
(3) मैंने यह कब बोला।
(4) मेरे से मत उलझो, घर जाओ।

→ उसका घर मुझे नहीं मालूम। ✓

मैंने यह कब बोला?

मुझसे मत उलझो, घर जाओ।

0:25

Q3.
'यथार्थ' का विलोम शब्द बताइए?

(1) कृत्रिम
(2) काल्पनिक
(3) उचित
(4) अनुचित

0:25

Q4.
निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?

(1) उपहार
(2) ग्रन्थ
(3) मस्तक
(4) रचना

Q5.

'दीन दुखियो को भोजन देने की व्यवस्था' – वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए-

(1) भंडारा → एक साथ बहुत लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था

(2) दातव्य → वह स्थान जहाँ औषधि दान स्वरूप मिलती है

(3) सदावर्त → धर्म के प्रति किया कार्य

(4) धर्मार्थ

Q6. → पीछे का, पिछला

'पाश्चात्य' का विलोमार्थक शब्द है-

(1) पौर्वात्य → आगे का, अगला

(2) पूर्वी → पश्चिमी

(3) पूर्वीय

(4) नवीन → प्राचीन

0:25

Q7.

'शाखामृग' शब्द का पर्यायवाची बताइए-

(1) हिरण → मृग, सारंग, कृष्णसार

(2) वानर → मर्कट, कपि, कपीश, बंदर

(3) तुंड → तोता, सुग्गा, रक्ततुंड, दाड़िम

(4) मधुप → भौंरा, मधुकर, अलि

Q8.
निम्न में से कौन सा ‘प्रणय-परिणय’ शब्द युग्म का अर्थ है?

(1) प्रेम - स्वयंवर
(2) पाणिग्रहण - नमस्कार
(3) प्रेम - विवाह
(4) स्नेह - बहिष्कार

0:25

Q9.
किस शब्द में अयादि संधि है?

(1) विधायक → विधै + अक → अयादि संधि
(2) उल्लास → उत् + लास → व्यंजन संधि
(3) अहंकार → अहम् + कार → व्यंजन संधि
(4) दुर्जन → दुः + जन → विसर्ग संधि

0:25

Q10.
निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ क्या है?
“दमड़ी के तीन होना”

0:25

(1) परास्त हो जाना
(2) बहुत सस्ता होना
(3) मर जाना
(4) ध्वस्त हो जाना

निर्देश(11-15): निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए:

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है-वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है। विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है। निस्संदेह शब्द-शक्ति महान है, पर चिरस्थायी और सनातनी शक्ति तो व्यवहार है। महात्मा गांधी ने इन दोनों की कठिन और अद्‌भुत साधना की थी। महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और व्ययहार में एक थे। जो कहते थे वही करते थे। यही उनकी महानता का रहस्य है। कस्तूरबा ने शब्द की अपेक्षा कृति की उपासना की

वे तो कर्म की उपासिका थीं। उनका विश्वास शब्दों की अपेक्षा कर्मों में था। वे जो कहा करती थीं उसे पूरा करती थी। वे रचनात्मक कर्मों को प्रधानता देती थी। इसी के बल पर उन्होंने अपने जीवन में सार्थकता और सफलता प्राप्त की थी।

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है- वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है।

0:25

Q11.

प्राय: सज्जन व्यक्ति संसार को राह दिखाते हैं--

(1) अपनी कार्यकुशलता से
(2) अपनी सेवा-भावना से
(3) अपने कर्म एवं वाणी से
(4) प्रत्येक व्यक्ति की मदद करने की भावना से

विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है।

0:25

Q12.
जगत में साहित्य, कला और विज्ञान-शास्त्र--

(1) शब्द-शक्ति का ज्ञान कराते हैं।
(2) शब्द-शक्ति के रूप हैं।
(3) शब्द-शक्ति के प्रामाणिक रूप हैं।
(4) शब्द-शक्ति से अलग नहीं हैं।

महात्मा गांधी ने इन दोनों की कठिन और अद्भुत साधना की थी। महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और व्यवहार में एक थे। जो कहते थे वही करते थे। यही उनकी महानता का रहस्य है।

0:25

Q13.
गद्यांश के अंतर्गत 'गांधी जी' की महानता यह थी कि वे-

(1) जो कहते थे, वही करते थे।
(2) सदैव गरीबों की मदद करते थे।
(3) सदैव हिंसा से अपने आपको दूर रखते थे।
(4) सदैव सत्य का सहारा लेते थे।

विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सब शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं। पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं, जिनका आचरण न हो। कर्म के बिना, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की सार्थकता नहीं है। निस्संदेह शब्द-शक्ति महान है, पर चिरस्थायी और सनातनी शक्ति तो व्यवहार है। महात्मा गांधी ने इन ... ठन और अद्भुत साधना की थी।

Q14.

शब्द-शक्ति के महान् होते हुए भी----

(1) व्यवहार भी शक्ति शाली है।

(2) व्यवहार भी एक-शक्ति के रूप में है

(3) शब्द-शक्ति एवं व्यवहार दोनों महान् है।

(4) व्यवहार की सनातनी शक्ति है।

संसार में दो अचूक शक्तियाँ है- वाणी और कर्म। कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से। शब्द और आचार दोनों ही महान शक्तियाँ हैं। शब्द की महिमा अपार है।

0:25

Q15.
उपर्युक्त अनुच्छेद का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा---
(1) वाणी और कर्म
(2) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा
(3) महात्मा गांधी
(4) कस्तूरबा और गांधी

मिशन STATE 2023

Thank You!